दर्शनशास्त्र / PHILOSOPHY

प्रश्न-पत्र II / Paper II

निर्धारित समय : **तीन** घंटे Time Allowed : **Three** Hours	अधिकतम अंक : **250** Maximum Marks : **250**

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हुए हैं ।

परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer (QCA) Booklet must be clearly struck off.

खण्ड A

SECTION A

Q1. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each : *10×5=50*

(a) निष्पक्षता के रूप में न्याय से क्या अभिप्राय है ? रॉल्स के न्याय के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए ।

What is meant by justice as fairness ? Explain Rawls' theory of justice. *10*

(b) अराजकतावादी के इस विचार का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए कि "सभी राज्य सदैव और सर्वत्र अवैध एवं अनुचित हैं ।"

Critically examine the anarchist's view that "all States always and everywhere are illegitimate and unjust." *10*

(c) क्या आप इस बात से सहमत हैं कि भूमि और सम्पत्ति से संबद्ध अधिकारों ने महिलाओं को सशक्त किया है ? विवेचन कीजिए ।

Do you agree that the rights concerning land and property have empowered women ? Discuss. *10*

(d) भारत के संदर्भ में बहुसंस्कृतिवादी समाज के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।

Critically examine the challenges faced by a multicultural society with reference to India. *10*

(e) यदि राजा राजनीति से ऊपर है, तो क्या राजतंत्र शासन का एक सुव्यवस्थित रूप हो सकता है ? विवेचन कीजिए ।

If monarchs are above politics, can monarchy be a systematic form of government ? Discuss. *10*

Q2. (a) लास्की ने संप्रभुता के निरपेक्ष स्वरूप को क्यों अस्वीकार किया ? व्याख्या कीजिए ।

Elucidate why the absolute nature of sovereignty was rejected by Laski. *20*

(b) क्या आप सहमत हैं कि राज्य के बेहतर कामकाज के लिए कर्तव्य और जवाबदेयता को अधिकारों पर प्राथमिकता दी जानी चाहिए ? अपने उत्तर के लिए तर्क दीजिए ।

Do you agree that duty and accountability must be given priority over rights for the better functioning of a State ? Justify your answer. *15*

(c) वर्तमान परिदृश्य में, क्या कौशल आधारित शिक्षा विकास की गति में वृद्धि करेगी ? मूल्यांकन कीजिए ।

In the present scenario, will the emphasis on skill education enhance development ? Evaluate. *15*

Q3. (a) ऐतिहासिक भौतिकवाद की व्याख्या कीजिए तथा सामाजिक विकास और परिवर्तन के संदर्भ में इसकी प्रासंगिकता का विवेचन कीजिए ।

Explain Historical Materialism and discuss its relevance in the context of social development and change. *20*

(b) अम्बेडकर की जाति प्रथा के विनाश की अवधारणा के सामाजिक और राजनीतिक महत्त्व का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए ।

Critically analyse the social and political significance of Ambedkar's notion of annihilation of caste. *15*

(c) लिंग भेद किस प्रकार कन्या भ्रूण-हत्या और सामाजिक असंतुलन की ओर ले जाता है ? विवेचन कीजिए ।

How does gender discrimination lead to female foeticide and social imbalance ? Discuss. *15*

Q4. (a) "दण्ड की कठोरता अपराध की गंभीरता के अनुपात में होनी चाहिए ।" — क्या आप सहमत हैं कि एक किशोर व्यक्ति को दण्ड देते समय अपराध के स्वरूप पर विचार करना चाहिए ? अपने उत्तर के लिए तर्क दीजिए ।

"Severity of punishment should be proportionate to the seriousness of the crime." — Do you agree that while punishing a juvenile, the nature of the crime should be considered ? Justify your answer. *20*

(b) लोकतान्त्रिक राज्य के समक्ष चुनौतियों और इन्हें दूर करने के तरीकों की व्याख्या कीजिए ।

Explain the challenges faced by a democratic state and the ways to overcome them. *15*

(c) धर्मनिरपेक्षता धर्म का अस्वीकरण नहीं बल्कि सभी धर्मों का स्वीकरण है । विवेचन कीजिए ।

Secularism is not a rejection of religion but acceptance of all religions. Discuss. *15*

खण्ड B

SECTION B

Q5. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :
Answer the following questions in about 150 words each : *10×5=50*

(a) ईश्वर के वैयक्तिक एवं निर्वैयक्तिक पहलुओं की स्पष्ट रूप से व्याख्या कीजिए ।

Elucidate the personalistic and impersonalistic aspects of God. *10*

(b) क्या धार्मिक विश्वासों को तर्कसंगत सिद्ध किया जा सकता है ? विवेचन कीजिए ।

Can religious beliefs be justified ? Discuss. *10*

(c) क्या धर्म नैतिक व्यवहार को प्रभावित करता है ? धर्म व नैतिकता के बीच अन्योन्यक्रियात्मक सम्बन्ध की व्याख्या कीजिए ।

Does religion influence the moral behaviour ? Explain the interactive relation between religion and morality. *10*

(d) धार्मिक भाषा के असंज्ञानात्मक स्वरूप के विषय में विट्गेन्सटाइन के विचारों का विवेचन कीजिए ।

Discuss Wittgenstein's view about the non-cognitive nature of religious language. *10*

(e) अज्ञेयवाद क्या है ? अज्ञेयवादी धर्म व ईश्वर के बीच सम्बन्ध की अवधारणा किस प्रकार करते हैं ? विवेचन कीजिए ।

What is Agnosticism ? How do agnostics conceptualize the relation between religion and God ? Discuss. *10*

Q6. (a) आत्मा के अमरत्व के सम्बन्ध में प्लेटो के अनुभवनिरपेक्ष प्रमाणों की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए ।

Critically examine Plato's apriori proofs for the immortality of the soul. *20*

(b) ईश्वरवाद में ईश्वर किस अर्थ में अन्तर्यामी और अनुभवातीत दोनों हैं ? विवेचन कीजिए ।

In what sense is God both immanent and transcendent in theism ? Discuss. *15*

(c) धर्म के विमर्श में आस्था के बौद्धिक और अबौद्धिक पक्षों की व्याख्या कीजिए ।

Explain the rational and irrational aspects of faith in the discourse of religion. *15*

Q7. (a) ईश्वर के अस्तित्व के लिए न्याय दर्शन की युक्तियों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।

Critically examine the arguments of Nyaya for the existence of God. *20*

(b) कर्म के सिद्धान्त में पुनर्जन्म की अवधारणा के महत्त्व का परीक्षण कीजिए ।

Examine the significance of the concept of rebirth in the theory of Karma. *15*

(c) टिलिच के अनुसार धार्मिक भाषा के प्रतीकात्मक स्वरूप की व्याख्या कीजिए ।

Explain the symbolic nature of religious language according to Tillich. *15*

Q8. (a) "सभी अशुभ या तो पाप है या पाप के लिए दिया गया दण्ड ।" – संत ऑगस्टाइन । समालोचनात्मक विवेचन कीजिए ।

"All evil is either sin or punishment for sin." – St. Augustine. Critically discuss. *20*

(b) क्या धार्मिक बहुलवाद अन्त:धार्मिक संघर्षों को आमन्त्रित करता है और धर्म के सत्य का विनाश करता है ? विवेचन कीजिए ।

Does religious pluralism invite inter-religious conflicts and destroy the truth of religion ? Discuss. *15*

(c) रहस्यानुभूति और इलहाम के बीच सम्बन्ध का परीक्षण कीजिए और धार्मिक जीवन में उनके महत्त्व को समझाइए ।

Examine the relation between mystical experience and revelation and expound their significance in the religious life. *15*